पारदक्ष दर्पण

SAP Implementation Project

v/;{k rFkk ic/k funs'kd dk lck/ku

प्रिय पाठको,

एक लम्बे अन्तराल के बाद आपसे मिलने का अवसर प्राप्त हो रहा है । अंतराल के कारण तो अनेक हैं–जिनमें, पद्वतियों को सक्रिय बनाना, समय सुनिश्चित करना और अंततः परियोजना दल को आपके पास पहुँचने से पूर्व सम्पूर्ण परियोजना की कमियों को दूर करके, इसके लाभों को सही तरीके से आपके पास पहुँचाना रहा है ।

अब तक आपने परियोजना दलों द्वारा किए गए प्रयासों के परिणामों को प्रत्यक्ष अनुभव करना आरम्भ कर दिया होगा । आपकी इकाई के अनेक सदस्यों ने सीआरपी निदर्शनों में भाग लेना आरम्भ कर दिया है जो इस माह तथा आगामी माह में विभिन्न इकाईयों में आयोजित किए जाएंगे ।

परिणाम प्रतिफल से अधिक रहें हैं । एसएपी प्रणाली हेतु हमने जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, वास्तविकता के काफी नजदीक प्रतीत होते हैं

मैं मानता हूँ कि हम में से प्रत्येक की आशाओं में अब वृद्धि होने लगी है । पारदक्ष परियोजना में भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड में कार्यरत कार्मिक बड़ी संख्या में भाग लेंगे। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप पूर्ण मनोयोग से इस परियोजना को समर्थन दें, ताकि इस पारदक्ष परियोजना ने जो गति प्राप्त की है उससे हम इस प्रयास के नए और तार्किक आरम्भ को दृष्टिपात कर सकें ।

आशा है कि आप सबको इसे पढ़ने में सुखद अनुभूति हो रही होगी ।

प्रोजेक्ट सूचना

''पारदक्ष परियोजना'' अब वसूली प्रावस्था में प्रवेश कर चुकी है तथा परियोजना दलों द्वारा किए गए प्रयास अब स्पष्टतया दिखाई देने लगे हैं । हम विभिन्न इकाईयों का दौरा करते हुए सीआरपी कार्यशालाओं का आयोजन करते हुए इकाईयों के विचारों के साथ भागीदारी करके इस बात की जांच कर रहे हैं कि एसएपी में उनकी पद्वतियां कैसे दिखेगी ।

कतिपय इकाईयों ने सत्यम के कुछेक परामर्शदाताओं को आंकड़ा एकत्र करने तथा प्रक्रियाओं को समझाने के लिए उनके पास आते देखा था । हमने भी दल के महत्वपूर्ण सदस्यों का पूरी परियोजना के लिए उनके सहयोग के लिए आधार स्वरूप उनको एक प्रतीकात्मक भेंट देखकर उनका अभिवादन किया था ।

संचालन समिति की बैठकें आयोजित की गयी थी जहां भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधन दल को परियोजना की अद्यतन जानकारी की गयी थी ।

परिवर्तन प्रबंधक ने भी इकाईयों मे स्तर–2 की कार्यशालाओं का आयोजन किया था जिसमें संपूर्ण परियोजना चक्र में ज्ञात परिवर्तन प्रबंधकों तथा परिवर्तन प्रबंधकों की भूमिका के बारे में आदान–प्रदान किया गया था । एक नेतृत्व प्रदायी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया था ताकि परियोजना को सफल बनाने हेतु वर्तमान स्थिति एवं अपेक्षित जरूरत के बारे में संगठनात्मक नेतृत्व के साथ विचार विनिमय किया जा सके ।

भावी घटनाएं

चुनिंदा उत्पादों हेतु कुछे इकाईयों में सीआरपी जारी रहेंगे । आंकड़ा मानकीकरण/वसूली संबंधी कार्य अनुसूची अनुसार जारी रहेगा। परियोजना हेतु यह एक अन्य अति महत्वपूर्ण कार्यकलाप होगा जिसे आपके सार्थक समर्थन की आवश्यकता होगी ।

आप परिवर्तन प्रबंधकों को आने वाले समय में परिवर्तन प्रबंधन प्रशिक्षण के स्तर–3 हेतु इकाईयों का दौरे करते हुए भी देखेगें

आपके कुछ सम्भावित प्रश्न

'पारदक्ष दर्पण' के इस अंक में आगामी कतिपय प्रश्नों पर विचार किया जाएगा जो कहीं न कहीं प्रत्येक पाठक के मस्तिष्क में उत्पन्न हों ।

प्रश्नः सीआरपी क्या है ?

उत्तरः सीआरपी सम्मेलन कक्ष पायलट का आदिवर्णक है ।

यह किसी पद्वति का विकास करने तथा किसी पद्वति के प्रचालन की नकल करने, यह सीखने के लिए कि यह कैसे कार्य करता है इसे कैसे कार्य करना चाहिए तथा सक्रिय कार्यान्वयन'' से पूर्व कार्य का सर्वोत्तम रूप से कैसे प्रबंधन किया जाए, इसकी एक पद्वति है । साधारण व्यक्ति की भाषा में, यह एक प्रकार का प्रो टटाइप है । पद्वति की मुख्य –मुख्य विशेषताओं तथा भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड की पद्वतियां एसएपी में कैसे चलेंगी, इसकी जानकारी देगा।

प्रश्नः– आगामी प्रावस्था क्या है तथा इस प्रावस्था में हम क्या करते हैं

उत्तरः– वसूली प्रावस्था आगामी प्रावस्था होती है ।

वसूली प्रावस्था को दो भागों में विभाजित किया जाता है ।

1. परियोजना दल आपकी आधार भूत प्रणाली को रूप देता है जिसे आधारभूत संरचना कहा जाता है ।
2. परियोजना दल उस पद्वति में सुधार करता है जो संरचना को विकसित करने के भाग के रूप में सभी कारोबारी एवं प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है ।

आरम्भिक संरचना के दौरान पूरी की गयी आरम्भिक संरचना रूपरेखा संबंधी दस्तावेज में उपलब्ध करवायी गयी सूचना पर आधारित होती है । संरचना संबंधी बकाया लगभग 20% कार्य जिसे संरचना के आरम्भिक स्तर पर पूरा नहीं किया गया था, को संरचना को दुरूस्त करते समय

किया जाता है। दुरूस्तीकरण संबंधी कार्य को सामान्यता अपवाद स्वरूप आरम्भिक संरचना में न किए गए काम को पूरा करने के लिए ही किया जाता है ।

अंतिम कटाई का यह कार्य, विशेष आवश्यकता पूर्ति कार्य का द्योतक है

प्रश्नः आगामी अन्य कार्यकलाप कौन–कौन से हैं जिनकी हमें जानकारी होनी चाहिए ?

उत्तरः निम्नलिखित आगामी ऐसे महत्वपूर्ण कार्यकलाप हैं जिन्हें आपके समर्थन की आवश्यकता होती है :

- यथा सहमति अनुसार, संरचना में अनिगमित परिवर्तन
- आंकड़ा एकत्रीकरण एवं मूल्यांकन
- संरचना को अन्तिम रूप देना
- के के वैद्य आंकड़ा विषयों को अपलोड करना
- समेकित जांच
- यूएटीः– महत्वपूर्ण प्रयोगकर्ता द्वारा प्रयोगकर्ता स्वीकार्यता जांच

आपको विस्तार से पारदक्ष दर्पण के आगामी अंको की जानकारी प्रदान करेगी ।

Some Photos for you from the CRP and other workshops conducted

पारदक्ष दर्पण

SAP Implementation Project

CMD Speaks

Dear Readers

We come to you after a long pause….Reasons have been many…setting the systems straight, stabilizing times and finally the zeal to deliver and undivided attention to tie the loose ends of the entire project before the project team came to you.

By now you all have started experiencing the visible outputs of the effort the project teams were putting in. Many of your unit members have started participating in CRP demonstrations that are taking place at various units over period of this month and the coming month.

The results have been more than rewarding. The goal that we set out for SAP system seems to be closer to realization.

I believe now the expectations from each one of us are now increasing. Project Paardaksh will see increased participation from each and every individual across SPMCIL.

I urge you to provide your whole hearted support, so that the momentum that Project Paardaksh has gained enables us to see a new and logical start of this effort.

Wishing you all the best and happy reading……

Project Events | Updates

Project ***'Paardaksh'*** has now entered the Realization Phase and the efforts made by the project teams are clearly visible. We have been going around across various units conducting CRP workshops sharing with the units how their processes will look in SAP.

Some of the units had also seen few Satyam consultants visit them for data collection and understanding of processes.

We also felicitated the Core team members and their contribution to the entire project by handing them a memento as a token of gratitude.

Steering committee meetings were held, where the senior management team of SPMCIL was given an update of the project progress.

Change Manager also organized Level 2 workshops across the units sharing with the identified change managers and change Agents their roles in the entire Project Cycle. Also a leadership workshop was organized to share with the Organizational leadership the status and the efforts requirement to make the project a success.

Upcoming Events

CRP at some of the units will continue for select products.

Data Standardization/ Collection work will contiue as schedueld. This will be the anohther very critical activity for the project which will require your eunending support

You will also see the Change Manager visiting the units for level 3 of Change Management training in the coming times.

This issue of ***'Pardaksh Darpan'*** will deal with next few Questions that will crop up in each readers mind at some point or other:

Q. What is CRP?

A. CRP is the acronym for Conference Room Pilot. It is a methodology to develop and simulate operation of a system, to learn how it works/should work and how best to manage the business with it—prior to "live" implementation. In common man's language, it is a kind of a prototype that will be able to communicate salient features of the System and the way SPMCIL's processes will run in SAP.

Q. What is the next phase and what do we do in this phase?

A. Realization Phase is the Next Phase.
Realization phase is broken in to two parts.

1) Project Team configures your baseline system, called the baseline configuration.
2) Project team fine-tunes that system to meet all business and process requirements as part of the fine tuning configuration.

The initial configuration completed during the base line configuration is based on the information provided in the blueprint document. The remaining approximately 20% of configuration that was not tackled during the baseline configuration is completed during the fine tuning configuration. Fine tuning usually deals with the exceptions that are not covered in baseline configuration. This final bit of tweaking represents the work necessary to fit special needs.

Q. What are other upcoming activities that we need to be aware of?
A. Following are critical upcoming activities that will call for your support:

- Incorporate changes in configuration as agreed
- Data collection and Validation
- Finalization of configuration
- Upload of Validated Data issues of k
- Integration testing
- UAT : User acceptance testing by core user

We will take you thru each of these in greater detail in upcoming issues of ***'Paardaksh Darpan'***

Some Photos for you from the CRP and other workshops conducted